CBSE Class 09 - Hindi A
Sample Paper 10 (2020-21)

Maximum Marks: 80
Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं।
- सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

खंड - क (अपठित गद्यांश)

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

   वैदिक युग भारत का प्राय: सबसे अधिक स्वाभाविक काल था। यही कारण है कि आज तक भारत का मन उस काल की ओर बार-बार लोभ से देखता है। वैदिक आर्य अपने युग को स्वर्णकाल कहते थे या नहीं, यह हम नहीं जानते; किंतु उनका समय हमें स्वर्णकाल के समान अवश्य दिखाई देता है। लेकिन जब बौद्ध युग का आरंभ हुआ, वैदिक समाज की पोल खुलने लगी और चिंतकों के बीच उसकी आलोचना आरंभ हो गई। बौद्ध युग अनेक दृष्टियों से आज के आधुनिक आदोलन के समान था। ब्राह्मणों की श्रेष्ठता के विरुद्ध बुद्ध ने विद्रोह का प्रचार किया था, बुद्ध जाति-प्रथा के विरोधी थे और वे मनुष्य को जन्मना नहीं, कर्मणा श्रेष्ठ या अधम मानते थे।

   नारियों को भिक्षुणी होने का अधिकार देकर उन्होंने यह बताया था कि मोक्ष केवल पुरुषों के ही निमित्त नहीं है, उसकी अधिकारिणी नारियाँ भी हो सकती हैं। बुद्ध की ये सारी बातें भारत को याद रही हैं और बुद्ध के समय से इस देश में ऐसे लोग उत्पन्न होते रहे हैं, जो जाति-प्रथा के विरोधी थे, जो मनुष्य को जन्मना नहीं, कर्मणा श्रेष्ठ या अधम समझते थे। किंतु बुद्ध में आधुनिकता से बेमेल बात यह थी कि वे निवृत्तिवादी थे, गृहस्थी के कर्म से वे भिक्षु-धर्म को श्रेष्ठ समझते थे।

   i. वैदिक युग स्वर्णकाल के समान क्यों प्रतीत होता है? **(2)**
   ii. जाति-प्रथा एवं नारियों के विषय में बुद्ध के विचारों को स्पष्ट कीजिए। **(2)**
   iii. 'संन्यास' का अर्थ स्पष्ट करते हुए यह बताइए कि इससे समाज को क्या हानि पहुँचती है? **(2)**
   iv. बुद्ध पर क्या आरोप लगता है और उनकी कौन-सी बात आधुनिकता के प्रसंग में ठीक नहीं बैठती? **(2)**
   v. प्रस्तुत गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए। **(1)**
   vi. बुद्ध, गृहस्थी के कर्म से किस धर्म को श्रेष्ठ समझते थे? **(1)**

खंड - ख (व्याकरण)

2. 'अतिरिक्त' शब्द में से उपसर्ग और मूल शब्द अलग कीजिए।
   a. अ + तिरिक्त

b. अति + रिक्त

c. अत + रिक्त

d. अत्य + रिक्त

3. 'स' उपसर्ग युक्त शब्द हैं -

a. सन्मित्र, संहार

b. सहित, सपरिवार

c. सञ्चालन, सम्मान

d. सच्चरित्र, सन्मार्ग

4. 'रोमांचक' शब्द में से मूल शब्द और प्रत्यय अलग कीजिए।

a. रोमान + अन्चक

b. रोम + अनचक

c. रोम + आंचक

d. रोमांच + अक

5. 'भुलक्कड़' शब्द में से मूल शब्द और प्रत्यय अलग कीजिए।

a. भुलक + ककड

b. भुलक्क + ड

c. भुला + अक्कड

d. भूल + अक्कड

6. 'नीलगाय' शब्द का समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए।

a. नील गाय - समास विग्रह
द्विगु समास - समास का नाम

b. नीली है जो गाय - समास विग्रह
कर्मधारय समास - समास का नाम

c. गाय नीली - समास विग्रह
द्वंद्व समास - समास का नाम

d. नीली है जो गाय - समास विग्रह
बहुव्रीहि समास - समास का नाम

7. साफ़ - साफ़ - शब्द का समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए।

a. साफ़ होने वाला - समास विग्रह
कर्मधारय समास - समास का नाम

b. सफाई के अनुसार - समास विग्रह
द्वंद्व समास - समास का नाम

c. जितना साफ हो - समास विग्रह

अव्ययीभाव समास - समास का नाम

d. बिलकुल स्पष्ट - समास विग्रह

अव्ययीभाव समास - समास का नाम

8. 'सात सौ दोहों का समूह' समास विग्रह का उचित समस्त पद और समास का नाम दिए गए विकल्पों में से चुनिए।

a. सतसई - समस्त पद

द्विगु समास - समास का नाम

b. सप्तसमूह - समस्त पद

बहुव्रीहि समास - समास का नाम

c. सप्तपद - समस्त पद

कर्मधारय समास - समास का नाम

d. सातसाईं - समस्त पद

द्वंद्व समास - समास का नाम

9. 'पीताम्बर' शब्द का समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए।

a. पीत अंबर - समास विग्रह

तत्पुरुष समास - समास का नाम

b. पीत (पीला) है अंबर (वस्त्र) जिसका अर्थात श्रीकृष्ण - समास विग्रह

अव्ययीभाव समास - समास का नाम

c. पीत (पीला) है अंबर (वस्त्र) जिसका अर्थात श्रीकृष्ण - समास विग्रह

बहुव्रीहि समास - समास का नाम

d. पीत (पीला) है अंबर (वस्त्र) जिसका अर्थात श्रीकृष्ण - समास विग्रह

कर्मधारय समास - समास का नाम

10. अर्थ की दृष्टि से वाक्य के भेदों की संख्या ________ है।

a. आठ

b. दस

c. छह

d. सात

11. अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद बताइए - " उसने कोई उपाय नही छोड़ा। "

a. आज्ञावाचक

b. निषेधवाचक

c. विधानवाचक

d. इच्छावाचक

12. जिन वाक्यों में किसी से कोई बात पूछी जाए, उन्हें ________ वाक्य कहते हैं।

a. संकेतवाचक वाक्य

b. संदेहवाचक वाक्य

c. प्रश्नवाचक वाक्य

d. आज्ञावाचक वाक्य

13. जिन वाक्यों से कार्य के होने में संदेह या सम्भावना का बोध हो, वे कहलाते हैं -

a. संदेहवाचक वाक्य

b. सम्भावनावाचक वाक्य

c. संकेतवाचक वाक्य

d. सन्देशवाहक वाक्य

14. जहाँ एक या एक से अधिक वर्णों की बार-बार आवृत्ति से चमत्कार उत्पन्न हो, वहां कौन-सा अलंकार होता है?

a. यमक

b. श्लेष

c. उपमा

d. अनुप्रास

15. शब्दालंकार के प्रमुख कितने भेद हैं?

a. चार

b. दो

c. पाँच

d. तीन

16. जब किसी शब्द की आवृत्ति एक से अधिक बार हो, हर बार उस शब्द का अर्थ भिन्न हो। वहाँ कौन-सा अलंकार होता है?

a. यमक

b. उपमा

c. अनुप्रास

d. श्लेष

17. कोई विशिष्ट शब्द जब एक से अधिक अर्थ व्यक्त करे, तो वहां कौन-सा अलंकार होता है ?

a. श्लेष

b. उपमा

c. अनुप्रास

d. यमक

खंड - ग (पाठ्य पुस्तक)

18. **निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

प्रेमचंद का एक चित्र मेरे सामने है, पत्नी के साथ फोटो खिंचा रहे हैं। सिर पर किसी मोटे कपड़े की टोपी, कुरता और धोती पहने हैं। कनपटी चिपकी है, गालों की हड्डियाँ उभर आई हैं, पर घनी मूँछे चेहरे को भरा-भरा बतलाती हैं।

पाँवों में केनवस के जूते हैं, जिनके बंद बेतरतीब बँधे हैं। लापरवाही से उपयोग करने पर बंद के सिरों की लोहे की पतरी निकल

जाती है और छेदों में बंद डालने में परेशानी होती है। तब बंद कैसे भी कस लिए जाते हैं।

1. लेखक के सामने किसका चित्र है? चित्र के आधार पर उसकी वेशभूषा का वर्णन कीजिए।
2. जूतों के बंद को बेतरतीब से क्यों बाँध लिया गया है?
3. चित्र के आधार पर व्यक्ति की दो स्वाभाविक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

19. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:
   a. सालिम अली और डी. एच. लॉरेंस में क्या समानता थी?
   b. कंजुर क्या हैं? इनकी विशेषताएँ लिखिए।
   c. छोटी बच्ची को बैलों के प्रति प्रेम क्यों उमड़ आया?
   d. 'जानवरों में भी मानवीय संवेदनाएँ होती हैं'- 'दो बैलों की कथा' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
   e. पंक्ति में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए- जूता हमेशा टोपी से कीमती रहा है। अब तो जूते की कीमत और बढ़ गई है और एक जूते पर पचीसों टोपियाँ न्योछावर होती हैं।

20. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

काली तू, रजनी भी काली,
शासन की करनी भी काली,
काली लहर कल्पना काली,
मेरी काल कोठरी काली,
टोपी काली, कमली काली,
मेरी लौह-श्रृंखला काली,
पहरे की हुंकृति की ब्याली,
तिस पर है गाली, ऐ आली!
इसे काले संकट-सागर पर
मरने की, मदमाती!
कोकिल बोलो तो!
अपने चमकीले गीतों को
क्योंकर हो तैराती!
कोकिल बोलो तो!

   i. काव्यांश में वर्णित काली वस्तुओं से कैसा वातावरण उपस्थित हुआ है?
   ii. काव्यांश में किन-किन वस्तुओं को काली बताया गया है?
   iii. काले संकट-सागर का आशय स्पष्ट कीजिए।

21. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:
   a. जेब टटोली कौड़ी न पाई के माध्यम से कवयित्री ने क्या कहना चाहा है? इससे मनुष्य को क्या शिक्षा मिलती है? वाख काव्य के आधार पर बताइए।
   b. कबीर ने जीवित किसे कहा है? साखियाँ एवं सबद के आधार पर लिखिए।

c. कवि ने आज़ादी के गीत गाती कोयल के माध्यम से क्या कहना चाहा है?

d. ब्रजभूमि के प्रति कवि रसखान का प्रेम किन-किन रूपों में अभिव्यक्त हुआ है?

e. एक लकुटी और कामरिया पर कवि रसखान सब कुछ न्योछावर करने को क्यों तैयार है?

22. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 3 के उत्तर दीजिये:

a. 'कोहरे से ढकी' कहकर कवि ने किस तरह की परिस्थितियों की ओर संकेत किया है? 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' काविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

b. मेरे संग की औरतें पाठ के आधार पर लिखिए कि जीवन में कैसे इंसानों को अधिक श्रद्धा भाव से देखा जाता है?

c. शहरवासी सिर्फ़ माटी वाली को नहीं, उसके कंटर को भी अच्छी तरह पहचानते हैं। आपकी समझ से वे कौन से कारण रहे होंगे जिनके रहते माटी वाली को सब पहचानते थे?

खंड - घ (लेखन)

23. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिये:

a. **ट्रैफिक जाम में फंसा मैं** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

- ट्रैफिक की समस्या का आधार
- लोगों की जल्दबाजी और व्यवस्था की कमी
- सुधार उपाय

b. **इंटरनेट का जीवन में उपयोग** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

- इंटरनेट क्या है?
- लाभ-समय की बचत, शिक्षा में सहायक
- उपयोग के सुझाव

c. **बढ़ते उद्योग कटते वन** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

- भूमिका
- वृक्षों से लाभ
- वृक्षों की कटाई और उसके दुष्परिणाम
- वृक्षारोपण
- उपसंहार

24. आपके बड़े भाई का चयन उच्च शिक्षा के लिए हो गया है, जिसके लिए उसे 2 वर्ष की अवधि हेतु अमेरिका जाना है। उसकी मंगलमय यात्रा एवं सुखद प्रवास की कामना करते हुए पत्र लिखिए।

OR

अपने क्षेत्र में डाक वितरण की अव्यवस्था की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए तथा डाकिए की शिकायत करते हुए मुख्य डाकपाल को पत्र लिखिए।

25. बढ़ती हुई महँगाई के विषय में पूनम और कुसुम के बीच होने वाले संवाद को लिखिए।

OR

मित्रों के साथ चंडीगढ़ पिकनिक जाने हेतु रीना और उसकी माता जी के बीच संवाद को लिखिए।

26. **मैं हूँ गोरैया** विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

OR

कंप्यूटर पर काम करते विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

CBSE Class 09 - Hindi A
Sample Paper 10 (2020-21)

Solution
खंड - क (अपठित गद्यांश)

1. i. वैदिक युग भारत का स्वाभाविक काल था। हमें प्राचीन काल की हर चीज अच्छी लगती है। इस कारण वैदिक युग स्वर्णकाल के समान प्रतीत होता है।
   ii. बुद्ध जाति-प्रथा के विरुद्ध थे। उन्होंने ब्राह्मणों की श्रेष्ठता का विरोध किया। मनुष्य को वे कर्म के अनुसार श्रेष्ठ या अधम मानते थे। उन्होंने नारी को मोक्ष की अधिकारिणी माना।
   iii. 'संन्यास' शब्द 'सम् + न्यास' शब्द से मिलकर बना है। 'सम्' यानी अच्छी तरह से' और 'न्यास' यानी 'त्याग करना'। अर्थात् अच्छी तरह से त्याग करने को ही संन्यास कहा जाता है। संन्यास की संस्था से देश का युवा वर्ग उत्पादक कार्य में भाग नहीं लेता। इससे समाज की व्यवस्था खराब हो जाती है।
   iv. बुद्ध पर निवृत्तिवादी होने का आरोप लगता है। उनकी गृहस्थ धर्म को भिक्षु धर्म से निकृष्ट मानने वाली बात आधुनिकता के प्रसंग में ठीक नहीं बैठती।
   v. शीर्षक-बुद्ध की वैचारिक प्रासंगिकता।
   vi. बुद्ध, गृहस्थी के कर्म से भिक्षु-धर्म को श्रेष्ठ समझते थे।

खंड - ख (व्याकरण)

2. (b) अति + रिक्त

   Explanation: 'अतिरिक्त' शब्द में 'अति' उपसर्ग है और 'रिक्त' मूल शब्द है।
3. (b) सहित, सपरिवार

   Explanation: 'सहित' और 'सपरिवार' में 'स' उपसर्ग हैं और मूल शब्द क्रमशः 'हित' और 'परिवार' हैं ।
4. (d) रोमांच + अक

   Explanation: 'रोमांचक' शब्द में 'रोमांच' मूल शब्द है और 'अक' प्रत्यय है।
5. (d) भूल + अक्कड

   Explanation: 'भुलक्कड़' शब्द में 'भूल' मूल शब्द है और 'अक्कड' प्रत्यय है।
6. (b) नीली है जो गाय - समास विग्रह

   कर्मधारय समास - समास का नाम

   Explanation: इसका समास विग्रह नीली है जो गाय होगा और समास कर्मधारय है क्योंकि यहाँ विशेषण - विशेष्य का संबंध है।
7. (d) बिलकुल स्पष्ट - समास विग्रह

   अव्ययीभाव समास - समास का नाम

   Explanation: यहाँ अव्ययीभाव समास है क्योंकि ये दोनों ही पद अव्यय हैं।

8. (a) सतसई - समस्त पद

   द्विगु समास - समास का नाम

   Explanation: यहाँ पूर्व पद (सप्त) संख्यावाची विशेषण है इसलिए यहाँ द्विगु समास होगा।

9. (c) पीत (पीला) है अंबर (वस्त्र) जिसका अर्थात श्रीकृष्ण - समास विग्रह

   बहुव्रीहि समास - समास का नाम

   Explanation: समास विग्रह का अन्य अर्थ निकलने के कारण यहाँ बहुव्रीहि समास है।

10. (a) आठ

    Explanation: अर्थ के आधार पर वाक्य के 8 (आठ) भेद हैं ।

11. (b) निषेधवाचक

    Explanation: 'नही' का प्रयोग निषेधवाचक वाक्य में किया जाता है ।

12. (c) प्रश्नवाचक वाक्य

    Explanation: जिन वाक्यों में बात या प्रश्न पूछा जाए, उन्हें प्रश्नवाचक वाक्य कहते हैं।

13. (a) संदेहवाचक वाक्य

    Explanation: संदेह व संभावना को संदेहवाचक वाक्यों द्वारा व्यक्त किया जाता है।

14. (d) अनुप्रास

    Explanation: अनुप्रास I जैसे- मुदित महीपति मंदिर आए। ('म' वर्ण की आवृत्ति बार- बार है)

15. (d) तीन

    Explanation: शब्दालंकार के प्रमुख तीन भेद हैं -अनुप्रास ,यमक और श्लेष I

16. (a) यमक

    Explanation: यमक। जैसे - काली घटा का घमंड घटा। (घटा- बादलों की घटा, कम हुआ) 'घटा' शब्द की आवृत्ति एक से अधिक बार हुई है।

17. (a) श्लेष

    Explanation: श्लेष I जैसे- मंगन को देखि पट देत बार-बार है। (पट- दरवाजा, पट-वस्त्र) 'पट' शब्द जब एक से अधिक अर्थ व्यक्त कर रहा है I

खंड - ग (पाठ्य पुस्तक)

18. i. लेखक के सामने हिंदी साहित्य के प्रसिद्ध कहानीकार मुंशी प्रेमचंद का चित्र है। इस चित्र में उनकी वेशभूषा अत्यंत साधारण है। उनके सिर पर मोटे कपड़े की टोपी है। उन्होंने धोती और कुरता पहना है। उनके पावों में कैनवस के जूते हैं जिनके बंद लापरवाही से बाँध दिए गए हैं और जिनकी पतरी बाहर निकल आई है। उनके एक पाँव में जूता फटा हुआ है जिसमें से उंगली निकल रही है।

    ii. चित्र में दिख रहे व्यक्ति ने अपने जूतों के बंद को बेतरतीब से इसलिए बाँध लिया है क्योंकि वे बनावटीपन से दूर हैं। जब जूतों और बंद को लापरवाही से प्रयोग किया जाता है तो बंद के सिरों पर लगी लोहे की पतरी निकल जाती है। इससे जूतों में बने छेदों में बंद डालने में परेशानी होती है।

    iii. चित्र के आधार पर व्यक्ति की दो स्वाभाविक विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-

i. व्यक्ति सादा जीवन उच्च विचार वाला और दिखावे से कोसों दूर रहने वाला है।

ii. वह व्यक्ति सादगी पसंद और गाँधीवादी विचारधारा को मानने वाला है।

19. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

a. सालिम अली जाने-माने प्रकृति प्रेमी और पक्षी विज्ञानी थे। उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन पक्षियों की खोजबीन और सुरक्षा के प्रति समर्पित कर दिया था।अंग्रेजी के प्रसिद्ध साहित्यकार डी. एच. लॉरेंस भी पक्षी और प्रकृति प्रेमी थे। उन्होंने अपनी कृतियों में प्रकृति की ओर लौटने का संदेश दिया है। इससे पता चलता है कि वे भी प्रकृति प्रेमी थे। इस प्रकार सालिम अली और डी.एच. लॉरेंस में प्रकृति प्रेमी होने की समानता थी।

b. कंजुर भगवान बुद्ध के वचनों की हस्तलिखित अनुवादित पोथियाँ हैं। ये पोथियाँ मोटे-मोटे कागजों पर अच्छे व बड़े अक्षरों में लिखी हुई हैं। एक-एक पोथी लगभग पंद्रह-पंद्रह सेर की है।

c. छोटी बच्ची की माँ मर चुकी थी | उसकी सौतेली माँ उस पर बहुत अत्याचार करती थी | अपनों से बिछड़ने का दुःख वह जानती थी | हीरा मोती भी अपने घर से दूर थे | उन्हें भी अपनों का स्नेह नहीं मिल रहा था | दिन भर काम करवाने के बाद उन्हें सूखा भूसा खाने को दिया जाता था और उन पर डंडे बरसाए जाते थे | छोटी बच्ची छल-प्रपंच से अभी दूर थी। उसे बैलों की स्थिति अपनी जैसी ही लगती थी | उन बैलों पर अत्याचार होते देखकर उसका मन द्रवित हो गया और उसके मन में उन बैलों के प्रति प्रेम उमड़ आया |

d. हीरा-मोती बार-बार मनुष्यों के समान व्यवहार करते हैं | वे अपना सुख-दुख बाँटने के लिए एक-दूसरे को चाटते-सूँघते हैं। वे बार-बार भागकर अपने मालिक झूरी के पास वापस आना चाहते हैं। वे रोटियाँ खिलानेवाली बालिका के माता-पिता को चाहकर भी चोट नहीं पहुँचा पाते क्योंकि उन्हें डर है कि यदि वह ऐसा करेंगे तो बच्ची अनाथ हो जाएगी। वे कांजीहौस से दूसरे जानवरों को मुक्ति दिलाते हैं और विपत्ति में सच्चे मित्र के कर्तव्य का निर्वाह करते हुए एक-दूसरे का साथ नहीं छोड़ते हैं | उपर्युक्त उदाहरणों से स्पष्ट होता है कि जानवरों में भी मानवीय संवेदनाएँ होती हैं।

e. **व्यंग्य-** जूते को हमेशा ही ताकत और सामर्थ्य का प्रतीक माना जाता रहा है। उसका स्थान नीचे अर्थात पैरों में होता है। टोपी सर पर पहनी जाती है इसलिए सम्माननीय है। आज लोग अपनी ताकत और पैसों के बल पर गुनी और सम्मानित व्यक्तियों को अपने सामने झुकने के लिए विवश कर देते हैं। अनेक बार ऐसा भी होता है कि लोगों को अपना स्वाभिमान और आत्मसम्मान भुलाकर उनके सामने झुकना पड़ता है।

20. i. काव्यांश में वर्णित काली वस्तुओं से कैदियों, भारतीय जनमानस के बीच भयानकता का वातावरण उपस्थित हुआ है जो उनके मन में आतंक और डर उपस्थित कर रहा है |

ii. काव्यांश में कोकिल, रात्रि, अंग्रेज़ी सरकार के अत्याचारपूर्ण कारनामें, जेल में कैद कवि की हथकड़ी, जेल की कोठरी, कंबल, कवि की टोपी, देश में व्याप्त निराशा की लहर, देश के प्रति मन में उठनेवाली कल्पनाओं आदि को काली बताया है|

iii. 'काले संकट-सागर' का आशय यह है कि अंग्रेजों का भारतवासियों के प्रति जो व्यवहार है वह शोषण और अन्याय से भरा हुआ है | जेल में स्वाधीनता सेनानियों को नाना प्रकार की यातनाएँ दी जा रही हैं । चारों ओर फैले इस संकट का अब अंत नहीं दिखता।

21. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

a. 'जेब टटोली कौड़ी न पाई' के माध्यम से कवयित्री यह कहना चाहती है कि हठयोग, आडंबर, भक्ति का दिखावा आदि के माध्यम से प्रभु को प्राप्त करने का प्रयास असफल ही होता है। इस तरह का प्रयास भले ही आजीवन किया जाए पर उसके

हाथ भक्ति के नाम कुछ नहीं लगता है। भवसागर को पार करने के लिए मनुष्य जब अपनी जेब टटोलता है तो वह खाली मिलती है। इससे मनुष्य को यह शिक्षा मिलती है कि भक्ति का दिखावा एवं आडंबर नहीं करना चाहिए।

b. कबीर ने उस व्यक्ति को जीवित कहा है जो राम-रहीम के चक्कर में न पड़कर सभी को एक समान मानता है | राम-रहीम के चक्कर में पड़कर मनुष्य के हाथ कुछ नहीं लगता | अतः इन दोनों से दूर रहते हुए ईश्वर की सच्ची भक्ति करने वाले मनुष्य को ही कबीर ने जीवित कहा है |

c. तत्कालीन परतंत्र भारत में स्वतंत्रता पाने की लालसा सभी के मन में जग चुकी थी। कवि कोयल से जब आजादी का अलख जगाने वाला गीत सुनता है तो वह समझ जाता है कि कोयल के मन में भी देश-प्रेम की भावना बलवती हो चुकी है। कोयल देश को स्वतंत्र कराने के लिए लोगों में अंग्रेजों के प्रति विद्रोह के बीज बो रही है। यह देख कवि ने गीत गाती कोयल के माध्यम से कहना चाहा है कि देश को गुलामी से मुक्ति दिलाने के लिए मनुष्य ही नहीं पशु-पक्षी भी पूरा प्रयास कर रहे थे।

d. कवि श्रीकृष्ण की रासलीला भूमि ब्रज के प्रति अपना प्रेम निम्नलिखित रूपों में अभिव्यक्त करता है -

   i. कवि अगले जन्म में मनुष्य रूप में जन्म लेकर ब्रज में ग्वाल-बालों के बीच बसना चाहता है।
   ii. वह पशु के रूप में जन्म मिलने पर नंद बाबा की गायों के मध्य चरना चाहता है।
   iii. वह उसी गोवर्धन पर्वत का हिस्सा बनना चाहता है, जिसे श्रीकृष्ण ने अपनी उँगली पर उठाया था।
   iv. वह पक्षी बनकर उसी कदंब के पेड़ पर बसेरा बनाना चाहता था, जहाँ कृष्ण रास रचाया करते थे।
   v. कवि ब्रज के वन, बाग और तड़ाग (तालाब) का सौंदर्य देखते रहना चाहता है।

e. कवि श्रीकृष्ण का अनन्य भक्त है। वह कृष्ण की हर वस्तु से प्रेम करता है। श्रीकृष्ण गायों को चराते समय यह लकुटी और कामरिया (कंबल) अपने साथ रखते थे। यह लकुटी और कामरिया कोई साधारण वस्तु न होकर कृष्ण से संबंधित वस्तुएँ थीं, इसलिए कवि उन पर सब कुछ न्योछावर करने को तैयार है।

22. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 3 के उत्तर दीजिये:

a. रात में पड़ने वाला कोहरा सुबह के समय और भी घना हो जाता है जो शीत की भयावहता को और भी बढ़ा देता है। वातावरण में छाया घना कोहरा और टपकती बर्फीली फुहारें सर्दी को चरम पर पहुँचा देती हैं। इस वातावरण में कोई भी घर से बाहर नहीं निकलना चाहता। इस प्रकार के माहौल में काँपते हुए बच्चों को अपनी जीविका चलने और रोजी-रोटी कमाने हेतु काम पर जाते देखकर कवि दुखी होता है। वह सोचता है कि काम की परिस्थितियाँ भी एकदम प्रतिकूल हैं पर फिर भी इन बच्चों को काम पर जाना पड़ रहा है।

b. जीवन में उन लोगों को श्रद्धाभाव से देखा जाता है जो-

   i. अपने स्वार्थ तक ही सीमित न रहकर दूसरों के बारे में भी सोचते हैं।
   ii. जो दूसरों की भलाई के लिए अपना धन, समय, श्रम आदि लगाने से भी नहीं घबराते हैं।
   iii. जो घर-परिवार के अलावा समाज के अन्य लोगों को भी उचित राय देते रहते हैं। लेखिका की माँ ऐसा ही किया करती थी।
   iv. जो दूसरी की गोपनीय बातों को सार्वजनिक नहीं करते हैं तथा उसकी गोपनीयता बनाए रखते हैं। खुद लेखिका की माँ इसका उदाहरण थीं।

c. माटी वाली एक बूढ़ी औरत थी, जो कनस्तर में लाल मिट्टी भरकर शहर में घर-घर दिया करती थी। वह माटाखान से मिट्टी लाती थी। इसी मिट्टी को बेचकर वह अपना जीवनयापन करती थी। टिहरी के लोग माटी वाली को ही नहीं बल्कि उसके

कंटर को भी अच्छी तरह पहचानते थे। इसके निम्नलिखित कारण रहे होंगे-

i. माटी वाली की लाल मिट्टी हर घर की आवश्यकता थी, जिससे चूल्हे-चौके की पुताई की जाती थी। इसके बिना किसी की काम नहीं चलता था।

ii. मिट्टी देने का यह काम उसके अलावा कोई और नहीं करता था। उसका कोई प्रतिद्वंद्वी न था।

iii. शहर से माटाखान काफी दूर था, इसलिए लोग अपने-आप मिट्टी नहीं ला सकते थे।

खंड - घ (लेखन)

23. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिये:

a. **ट्रैफिक की समस्या का आधार-** विज्ञान ने आज हमारी जीवन शैली को पूरी तरह बदल दिया है विज्ञान के आविष्कारों में से एक महत्त्वपूर्ण आविष्कार है यातायात के साधन, जिससे हम मीलों की दूरी कूछ ही समय में सहजता से पूरी कर लेते हैं जिसे पूरा करने में प्राचीन समय में महीनों लग जाते थे। वर्तमान समय में अधिकांश लोगों के पास अपने निजी वाहन कार, मोटरसाइकिल, स्कूटर आदि हैं जो सड़कों पर जाम की दिनों -दिन बढ़ती समस्या का सबसे बड़ा कारण हैं।
लोगों की जल्दबाजी और व्यवस्था की कमी- आज हर व्यक्ति जल्दी में नजर आता है और इसी जल्दबाज़ी के कारण सड़क पर जाम लग जाता है। बाइक, कार-सवार अपनी लेन में चलने के स्थान पर दूसरे को ओवर टेक करते हैं तथा ट्रैफिक पुलिस के द्वारा सख्ती से अपने कर्तव्य पालन न करने के कारण इसे बढ़ावा मिलता है।
सुधार के उपाय- ट्रैफिक जाम की समस्या से मुक्ति पाने के लिए सरकार को ट्रैफिक के कड़े नियम बनाने चाहिए तथा सख्ती से उन्हें लागू करना चाहिए। इसके साथ ट्रैफिक के नियमों के बारे में लोगों को जागरूक करना चाहिए। सभी के सम्मिलित प्रयासों से ही इस समस्या से निजात मिल सकता है।

b. **इंटरनेट क्या है?** - आधुनिक युग सूचना प्रोद्यौगिकी का युग है। आज का विश्व विज्ञान के दृढ़ स्तम्भ पर टिका है। विज्ञान ने मनुष्य को अनेक शक्तियाँ, सुख-सुविधाएँ तथा क्रान्तिकारी उपकरण दिए हैं, जिनमें इन्टरनेट एक अत्यधिक महत्वपूर्ण, बलशाली एवं गतिशील सूचना का माध्यम है। सन् 1986 में इन्टरनेट का आरम्भ हुआ था। यह अनेक कम्प्यूटरों का एक जाल है, जिसके सहयोग से आज का मनुष्य विश्व के किसी भी भाग से किसी भी प्रकार की सूचना प्राप्त कर सकता है।
लाभ-समय की बचत, शिक्षा में सहायक - इंटरनेट से सारी दुनिया हमारी मुट्ठी में आ गई है। बस, एक बटन दबाइए सब कुछ क्षण भर में आँखों के सामने उपस्थित हो जाता है। इसने दुनिया के सभी लोगों को जोड़ दिया है। ज्ञान के क्षेत्र में अद्भुत क्रान्ति आ गई है। ज्ञान, विज्ञान, खेल, शिक्षा, संगीत, कला, फिल्म, चिकित्सा आदि सबकी जानकारी इंटरनेट से उपलब्ध है। इससे देश-विदेश के समाचार, मौसम, खेल सम्बन्धी ताजा जानकारी प्राप्त होती हैं। इन्टरनेट से विज्ञान, व्यवसाय व शिक्षा के क्षेत्र में अनेक कार्य होने लगे हैं, जिससे समाज में बेरोजगारी समाप्त हो सकती है।
उपयोग के सुझाव - इंटरनेट सभी के लिए उपयोगी है लेकिन इसका प्रयोग करते समय सावधानी बरतने की आवश्यकता होती है जिससे हमारा डाटा सुरक्षित रह सकता है। इसका दुरुपयोग होने से भी बचाया जा सकता है। जल्दबाजी करने से हमारी सूचना व धन किसी दूसरे के पास पहुँच सकते हैं। अतः हमें इंटरनेट का प्रयोग करते समय अत्यंत सावधानी बरतनी चाहिए।

c. **भूमिका-** ईश्वरीय सृष्टि की अद्भुत, अलौकिक रचना प्रकृति है। मनुष्य ने प्रकृति की गोद में आँखें खोली हैं एवं प्रकृति ने ही मनुष्य का पालन-पोषण किया है, दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। उद्योगों के बढ़ने से वनों की कटाई बढ़ती जा रही है।
वृक्षों से लाभ- मनुष्य का सम्पूर्ण जीवन पेड़-पौधों पर आश्रित रहता है। पेड़-पौधों की लकड़ी विभिन्न रूपों में मनुष्य के

काम आती है। वृक्षों से हमें फल-फूल, जड़ी-बूटियाँ आदि प्राप्त होती हैं। शुद्ध वायु एवं तपती दोपहर में छाया वृक्षों से ही प्राप्त होती है। वृक्ष वर्षा में सहायक होते हैं एवं भूमि को उर्वरक बनाते हैं।

वृक्षों की कटाई और उसके दुष्परिणाम- जनसंख्या के दबाव, शहरों का विस्तार, फैक्ट्रयों के लिए भूमि की कमी को दूर करने के लिए वृक्षों की व्यापक पैमाने पर कटाई मनुष्य के द्वारा की जा रही है, जिसके परिणामस्वरूप प्रदूषण का बढ़ना एवं प्राकृतिक आपदाओं से विनाश का खतरा बढ़ता जा रहा है।

वृक्षारोपण- देर से सही, मनुष्य ने वृक्षों के महत्व को स्वीकारा तो है। वन विभाग द्वारा नये वृक्षों का रोपण किया जा रहा है एवं पुराने वृक्षों का संरक्षण किया जा रहा है। लोगों को जागरूक करने के लिए वन महोत्सव प्रारम्भ किया गया है जो जुलाई मास में मनाया जाता है जिसमें व्यापक रूप से वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाया जाता है।

उपसंहार- आज आवश्यकता इस बात की है कि मनुष्य प्रकृति से जुड़े। यह समझे कि कुल्हाड़ी वृक्षों पर नहीं वरन् उसी पर चल रही है। हमारी संस्कृति में वृक्षों पर देवताओं का वास बताया गया है एवं वृक्ष काटना भयंकर पाप बताया है। वृक्षारोपण करने को महान् पुण्य बताया है।

24. डी-760/12,

देवी अपार्टमेंट,

पालम, दिल्ली।

27 फरवरी 2019

आदरणीय अग्रज,

सादर प्रणाम।

मैं यहाँ सकुशल रहकर आशा करता हूँ कि आप भी सकुशल होंगे और मैं ईश्वर से यही कामना भी करता हूँ। आपका पत्र पढ़कर मैं खुशी से उछल पड़ा, क्योंकि आपका चयन अमेरिका में अध्ययन करने के लिए हो गया है। यह बात सुनकर मुझे गर्व की अनुभूति भी हो रही है। यह अनुभूति क्यों हो भी न क्योंकि इससे एक पंथ दो काज वाली कहावत चरितार्थ होगी। शिक्षा के साथ-साथ विदेश भ्रमण की स्वाभाविक लालसा भी पूरी हो जाएगी। सौभाग्य से मिले इस अवसर के लिए मैं आपको अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ भी दे रहा हूँ।

मेरी कामना है कि आप दो वर्ष की अवधि वाली इस उच्चशिक्षा को क पूरा करो। आपकी अमेरिका की शैक्षणिक यात्रा मंगलमय हो तथा प्रवास सुखद हो, यह मेरी हार्दिक मनोकामना है। ईश्वर करे कि अमेरिका प्रवास आपके लिए नित नए एवं रोमांचक अनुभव प्रदान करे।

पूज्या माता जी को चरण स्पर्श तथा शालू को स्नेह। अमेरिका पहुँचते ही पत्रोत्तर देना।

तुम्हारा अनुज,

गोविन्द

OR

मुख्य डाकपाल महोदय,

छपरा बिहार।

01 मार्च, 2019

विषय- डाक-वितरण की अव्यवस्था तथा डाकिए की शिकायत के संबंध में

महोदय,

मैं आपका ध्यान रामगढ़ गाँव की डाक वितरण में होने वाली लापरवाही तथा डाकिए के गैर जिम्मेदारानापूर्ण व्यवहार की ओर आकर्षित कराना चाहता हूँ।

श्रीमान जी, यहाँ आपके विभाग द्वारा नियुक्त डाकिया नफेसिंह अपने दायित्व को जिम्मेदारीपूर्वक नहीं निभा रहा है। वह हमारे पत्रों को बाँटने में अत्यंत लापरवाही दिखाता है। वह घर-घर पत्र देने या घरों के बाहर लगे बॉक्स में पत्र डालने के बजाए गली के बाहर खेल रहे बच्चे को थमा जाता है या गली में फेंककर चला जाता है। यह काम भी वह प्रतिदिन नहीं करता है। वह सप्ताह या पंद्रह दिन में एक बार आता है और लापरवाही से पत्र देकर चला जाता है। कई बार लोगों को साक्षात्कार के लिए बुलावा-पत्र, न्यायालय का पत्र, नियुक्ति-पत्र आदि समय बीतने के बाद मिलते हैं जिनका कोई महत्त्व नहीं रह जाता है, और व्यक्ति हाथ मलता रह जाता है।

आपसे प्रार्थना है कि डाक वितरण व्यवस्था को ठीक बनाने एवं इस डाकिए के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही करने की कृपा करें।

धन्यवाद सहित।

भवदीय,

गोविन्द सिंह,

27/5 रामगढ़, बिहार।

25. **पूनम** -अरे कुसुम! क्या तुमने आज का अखबार पढ़ा?

कुसुम - हाँ, बढ़ती महँगाई ने तो आम आदमी का जीना हराम कर दिया है। रोज़ कमाकर खाने वाले लोगों का तो बहुत ही बुरा हाल है।

पूनम - अरे! तुमने पढ़ा, दूध की कीमत में और ऑटोरिक्शा के किराए में कितनी बढ़ोतरी हो गई।

कुसुम - हाँ , पढ़ा , सरकार आम जनता को मूर्ख समझती है। पेट्रोल के दाम घटाकर रोजमर्रा की चीजों के दाम बढ़ा दिए।

पूनम - सही बात है। बेचारे गरीब बच्चों का क्या होगा। जो थोड़ा-बहुत दूध उन्हें नसीब होता था, अब तो वह भी मिलने से रहा।

कुसुम - जब भी महँगाई बढ़ती है उसका दुष्प्रभाव निम्नवर्ग व मध्यमवर्ग पर पड़ता है। अमीर लोगों पर तो वैसे भी इसका असर नहीं होता। उनकी बला से महँगाई बढ़े चाहे घटे।

पूनम - नहीं, ऐसी बात नहीं है। असर उन पर भी होता है पर आय अधिक होने से उन पर महँगाई की मार का असर उतना नहीं होता जितना गरीबों पर होता है।

कुसुम - ऑटोवाले पहले भी मनमानी करते थे, अब भी करेंगे। सरकार को तो कुछ सोचना चाहिए। रोजमर्रा की चीजों के दाम ज्यादा नहीं बढ़ाने चाहिए।

पूनम - हाँ, मैं तुम्हारी बात से बिलकुल सहमत हूँ। एक ओर तो सरकार गरीबी हटाओ के नारे लगाती है और दूसरी ओर महँगाई बढ़ाती है, ऐसे में आम जनता करे भी तो क्या।

कुसुम - हालत यही रही तो आम आदमी का रहना ही मुश्किल हो जाएगा। बेचारा कैसे अपना घर चला पायेगा।

पूनम - हाँ, बिलकुल सही कह रही हो। सरकार को इस ओर कोई कदम उठाना चाहिए। अब चलती हूँ । बच्चों की बस का समय हो गया है।

कुसुम - ठीक है। मैं भी चलती हूँ। मेरे बच्चे भी स्कूल से आने ही वाले हैं।

OR

माता जी - रीना, आज तुमने इतनी जल्दी फोन कैसे कर लिया? तुम तो शाम को फोन करती हो। सब ठीक है न ?

रीना - अरे माँ! घबराने की कोई बात नहीं है। सब कुछ ठीक है। हमारे विद्यालय की ओर से एक पिकनिक का आयोजन किया गया है इसलिए फोन किया है।

माता जी - पिकनिक के लिए कहाँ जाना है ?

रीना - चंडीगढ़ जाने का कार्यक्रम बना है।

माता जी - क्या जाने का दिन निश्चित हो गया है?

रीना - हाँ माँ ! अगले सप्ताह जाना निश्चित हुआ है।

माता जी - अगले सप्ताह तो तुम्हारी दादी ने दादा जी के लिए पूजा रखवाई है।

रीना - मगर माँ, वह तो सोमवार को है।

माता जी - तो तुम लोग किस दिन जा रहे हो?

रीना - हम तो बुधवार को जा रहे हैं, और रविवार की वापसी है।

माता जी - मेरी तरफ से तो कोई रोक नहीं है, परंतु पिता जी से भी पूछना जरुरी है।

रीना - माँ, आप कह भी देना और मैं भी उनसे रात में बात कर लूँगी। आप पिकनिक के लिए निर्धारित राशि 600 रुपये पिताजी से लेकर अवश्य भिजवा देना।

माता जी - ठीक है, मैं कल तक पैसे भिजवा दूंगी।

रीना - धन्यवाद माँ ।

26. **मैं हूँ गोरैया**

मैं गोरैया, आज आपको अपनी कहानी सुनाती हूँ। वही गोरैया, जो कभी सवेरे सबके घरों के आँगन में आती थी सबको नींद से जगा देती थी। सामने के घर में एक छोटा-सा बच्चा मेरा घनिष्ठ मित्र बन गया था। घर जाकर दाना खाना और पानी पीकर कलरव करने उसके साथ खेलने में बड़ा आनंद आता था। एक दिन वह बीमार पड़ गया। उसे न देखकर मेरा मन नही लगा और मैं उदास हो गई। अब मैंने भी चहचहाना बंद कर दिया। एक सवेरे पीछे से आवाज आई- अरे छोटी चिड़िया ! मैंने अपनी गर्दन घुमाई तो देखा कि वही छोटा बच्चा मुस्कुराता हुआ मुझे बुला रहा था। मैं झट से उड़कर उसके कंधे पर जा बैठी।

OR

कंप्यूटर पर काम करते

कंप्यूटर पर काम करते-करते मेरे मन में ख्याल आया कि काश मैं भी कंप्यूटर होता। लगा जैसे किसी ने जादू की छड़ी घुमा दी हो और मैं बन गया कंप्यूटर। अब तो सब मुझे हाथों-हाथ रखने लगे। सूर्योदय से पहले ही मेरा दिन शुरू हो जाता और देर रात तक मुझ पर काम किया जाता। अब मुझे लगा कि कंप्यूटर बनकर मैंने गलती कर दी। मेरा दिमाग हर पल चलता रहता और की-बोर्ड पर तो लगता जैसे हथौड़े पड़ रहे हों। अब तो मुझे पल भर का भी आराम नसीब नहीं था। थक गया मैं कंप्यूटर बनकर। यह सोचते ही मैं अपने रूप में वापिस आ गया। अब मैंने सुकून की सांस ली।